www.facebook.com/Kamal.Sandesh/ www.kamalsandesh.org @kamalsandeshbjp

कमल संदेश

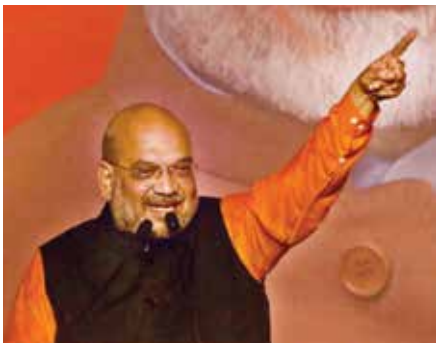

'जनता ने परिवारवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया'

वर्ष-14, अंक-11 01-15 जून, 2019 (पाक्षिक) ₹20

जबरदस्त जनादेश! जबरदस्त जीत!!

लोकसभा चुनाव, 2019 में भाजपा की भारी जीत के बाद नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

पूरे विश्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com

वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 भाजपा ने रचा इतिहास, राजग की प्रचंड जीत

17वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने इतिहास रच दिया। भाजपा ने जहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 303 सीटों पर जीत का परचम लहराया, वहीं कांग्रेस 52 सीटों पर सिमट कर रह गई। भाजपानीत राजग ने 353 सीटों पर शानदार सफलता प्राप्त की, जबकि कांग्रेसनीत यूपीए...

लेख

'संविधान' को प्रणाम 32

साक्षात्कार

झारखंड की जनता ने विकास और राष्ट्रवाद को स्वीकारा: सुनील सिंह 24

अन्य

जनता ने परिवारवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया: अमित शाह 11

दक्षिण में और मजबूत हुई भाजपा 12

पूर्वोत्तर में खिला कमल 13

लोकसभा चुनाव, 2019 में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद विजयोत्सव की छवियां 18

विधानसभा चुनाव परिणाम 2019 25

'देश ने फकीर की झोली भर दी, अपने लिए कुछ नहीं करूंगा' 26

हमारे महान देश का भविष्य उज्जवल हो: लालकृष्ण आडवाणी 27

विश्व के अनेक नेताओं ने प्रधानमंत्री को दी बधाई 28

14 इस चुनाव में हमने 'विकास राष्ट्रवाद' को आकार दिया है: डॉ. विनय सहस्रबुद्धे

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राज्यसभा सदस्य एवं मध्यप्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्रबुद्धे से नई...

16 संगठन की सक्रियता और भाजपा सरकार की उपलब्धियों के चलते हमारी शानदार जीत हुई: श्याम जाजू

देश के अनेक राज्यों की तरह उत्तराखंड और दिल्ली में भी भाजपा ने सभी लोकसभा सीटों...

17 बिहार की जनता एकजुट होकर नरेन्द्र मोदी के साथ: नित्यानंद राय

बिहार भाजपा के अध्यक्ष और लगातार दूसरी बार उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित श्री नित्यानंद राय कमल संदेश के एसोसिएट...

22 यह जनता और माननीय प्रधानमंत्री मोदीजी की जीत है: जी. किशन रेड्डी

सिकंदराबाद (हैदराबाद) निर्वाचन क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद श्री किशन रेड्डी भाजपा के...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

जनता ने हमें बहुत बड़ा आदेश दिया है। जनप्रतिनिधि के लिए कोई भेद-रेखा नहीं। जो हमारे साथ रहे हैं, हम उनके लिए भी हैं। जो भविष्य में हमारे साथ चलेंगे, हम उनके लिए भी हैं।

@AmitShah

चुनाव अभियान के समय कई सवाल उठाये जाते थे, लेकिन हम सभी में यह विश्वास था कि हम 50% की लड़ाई लड़ेंगे और मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा और NDA पूर्ण बहुमत प्राप्त करेगा। आज 17 राज्यों में 50% से अधिक वोट और 9 राज्यों में 45% से 50% के बीच वोट हमको प्राप्त हुए हैं।

@Ramlal

2014 से 2019 तक हमने गरीबों के लिए सरकार चलाई। 2019 से 2024 तक की सरकार देश के गरीबों ने बनाई।

facebook

देश और प्रदेश की जनता की आस्था श्री नरेंद्र मोदी जी में है। मध्यप्रदेश की जनता के दिल में भी मोदी जी बसे हुए हैं। पांच महीने पहले प्रदेश में जो कांग्रेस की सरकार बनी, उसने त्राहि-त्राहि मचा दी है। सरकार और सरकार में फर्क लोगों ने देखा। कर्ज माफी नहीं की गई। वादे पूरे नहीं किये। प्रदेश की जनता ने कहा था विधानसभा चुनाव में हुई भूल को लोकसभा चुनाव में ब्याज के साथ सुधार लेंगे। यही हुआ भी, 29 में से 28 सीटें देकर जनता ने अपना फैसला सुना दिया। मैं जनता को प्रणाम करता हूं और देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता श्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करता हूं।

— शिवराज सिंह चौहान

लोकसभा चुनाव में जनमत प्राप्त कर प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर श्री नरेंद्र मोदी जी समेत सभी मंत्रीगणों को हार्दिक शुभकामनाएं। 5 वर्ष पूर्व हमारे देश ने विकास के जिस पथ पर बढ़ना शुरू किया है, मैं कामना करता हूं कि आगामी वर्षों में वह निरंतर गति प्राप्त करे।

— डॉ. रमन सिंह

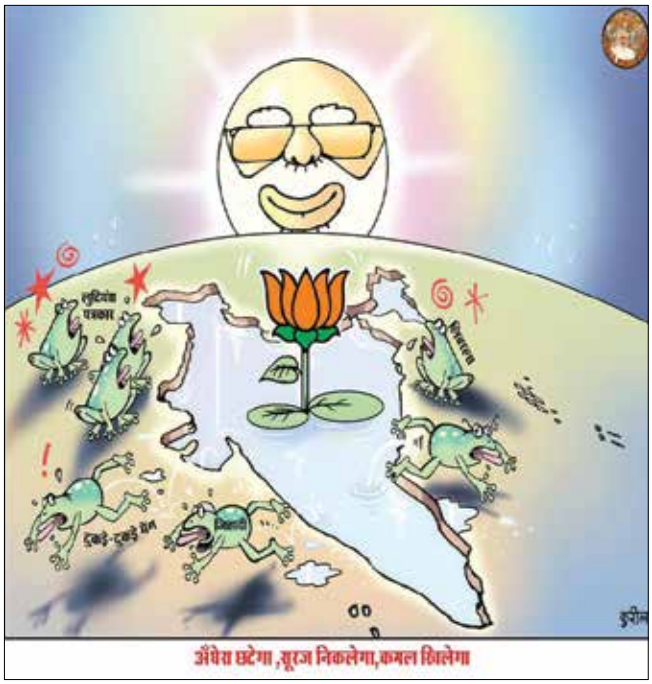

Courtesy: Social Media

चुनौतियों पर विजय का शंखनाद

लोकसभा 2019 के परिणामों से भारत की जनता ने न केवल एक स्पष्ट जनादेश दिया बल्कि एक जबरदस्त जनादेश दिया है। यह एक ऐसा प्रचंड जनादेश है जो भारतीय लोकतंत्र की महान विजय गाथा सुना रहा है। यह भारत की निरंतर बढ़ती आकांक्षाओं एवं अभिलाषाओं को प्रतिध्वनित करता है, और इस बात का संकेत है कि देश का जन–जन सुनहरे भविष्य के आलिंगन को तत्पर है। हम एक ऐसे भारत का साक्षात्कार कर रहे हैं जो आत्मविश्वास से परिपूर्ण है, सक्षम एवं समर्थ है तथा बड़े कदम उठाने को तैयार है। यह एक ऐसे उदय होते भारत का जनादेश है जिसके आंखों में गौरव के सपने हैं और ये स्वप्न क्षितिज के भी पार जाने को उन्मत है, सभी प्रकार की सीमाओं एवं बंधनों से परे हर चुनौतियों को स्वीकार कर अवसरों पर राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का संकल्प है। यह एक ऐसे भारत का जनादेश है जो अपनी शक्ति के प्रति आश्वस्त, भविष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित तथा आशा एवं आकांक्षाओं से परिपूर्ण है। यह ऐसा भारत है जो न झुक सकता है, न टूट सकता है- एक ऐसा भारत जो एकजुट हो पूरे स्वाभिमान से अपने पैरों पर खड़ा है। यह जनादेश इतना विराट है कि शायद ही कोई इसकी व्यापकता को न देख पाये। यह हर क्षेत्र पर प्रभावकारी एवं परिणामकारी साबित होने वाला है। ऐसा प्रतीत होता है कि संपूर्ण राष्ट्र अब और इंतजार नहीं करना चाहता, वह जानता है कि भारत के उदय का सही समय आ चुका है। अब तो करोड़ों पग मां भारती की गौरवमय यात्रा में शामिल हो जाना चाहते हैं।

यह एक ऐसा ऐतिहासिक जनादेश है जिसका पूरे भारत के भविष्य पर दूरगामी असर होने वाला है। ऐसा कई दशकों के बाद हुआ है कि देश की जनता ने लगातार दूसरी बार किसी पार्टी को इतना जबर्दस्त जनादेश दिया है और वह भी पहली बार से अधिक बड़ा जनादेश। यह स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर बढ़ते जनविश्वास का परिणाम है।

यह जनादेश भारत का, भारत के लिए, इसके जन के द्वारा दिया गया जनादेश है। यह एक ऐसा ऐतिहासिक जनादेश है जिसका पूरे भारत के भविष्य पर दूरगामी असर होने वाला है। ऐसा कई दशकों के बाद हुआ है कि देश की जनता ने लगातार दूसरी बार किसी पार्टी को इतना जबर्दस्त जनादेश दिया है और वह भी पहली बार से अधिक बड़ा जनादेश। यह स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर बढ़ते जनविश्वास का परिणाम है। विपक्ष के लगातार दुष्प्रचार एवं व्यक्तिगत आक्षेपों से जन–जन में विपक्ष की इस नकरात्मक राजनीति के प्रति ऐसा तिरस्कार का भाव उत्पन्न हुआ कि उनका समर्थन श्री नरेन्द्र मोदी के पक्ष में और भी अधिक दृढ़ हो गया। पिछले पूरे पांच वर्षों में कोई भी सकारात्मक भूमिका न निभा पाने तथा झूठ, फरेब एवं धोखाधड़ी की नकारात्मक राजनीति में रत रहने के कारण विपक्ष की यह दुर्गति हुई है। विपक्ष की केवल हार ही नहीं बल्कि करारी हार हुई है और वह भी तब जब कि कई प्रदेशों में विपक्षी दलों ने 'महागठबंधन' बना रखे थे। जनता का संदेश स्पष्ट है, यह हर विपरित परिस्थिति के बावजूद एक निर्णायक जनादेश है। सत्ता के गलियारे में घूमते भ्रष्टाचारियों एवं असंभव से लगते चुनौतियों के सामने विजय का शंखनाद है।

लोकसभा 2019 का चुनाव भारी संख्या में देश के मतदाताओं की भागीदारी के लिए याद रखा जाएगा। यह एक ऐसा चुनाव था जो इस देश की जनता ने स्वयं अपना चुनाव मानकर लड़ा तथा चिलचिलाती धूप में भी बड़ी संख्या में मतदान किया। इस चुनाव का संदेश स्पष्ट था कि भारतीय राजनीति हमेशा के लिए अब बदल चुकी है और विपक्ष की विभाजनकारी राजनीति का अब जनता मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है। जाति, मजहब एवं क्षेत्रवाद की संकीर्ण राजनीति इस चुनाव में ध्वस्त हुई है तथा विकास एवं सुशासन की राजनीति की जीत हुई है। तुष्टीकरण की राजनीति को भयंकर पराजय का सामना करना पड़ा है। यह एक ऐसे नये भारत के उदय का संदेश है जो वोट बैंक एवं तुष्टीकरण की विभाजनकारी राजनीति से ऊपर उठकर एक सशक्त, समृद्ध एवं गौरवशाली भारत का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

2019 के जनादेश को 2014 के जनादेश की निरंतरता में देखा जा सकता है एवं कहा जा सकता है कि यह जनादेश और भी अधिक निर्णायक है। पिछले पांच वर्षों में हर क्षेत्र में जो क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, उसी का परिणाम है कि देश ने इन परिवर्तनों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की करिश्माई नेतृत्व में और आगे ले जाने के लिए यह ऐतिहासिक जनादेश दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं अथक मेहनत से बने सकारात्मक वातावरण का ही फल था कि भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह के सुदृढ़ नेतृत्व में भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की अद्भुत उपलब्धियां एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जैसे संगठन शिल्पी के नेतृत्व में पार्टी के विस्तार का ही परिणाम था कि देश की जनता ने इतना जबरदस्त जनादेश दिया है। यह जनादेश कोटि–कोटि जन द्वारा एक महान भारत के उदय का मार्ग प्रशस्त करने वाला साबित हो रहा है। इस निर्णायक जनादेश से यह सुनिश्चित हो गया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में भारत एक निर्णायक दिशा में मजबूती से चल पड़ा है। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

भाजपा ने र
राजग

चा इतिहास
की प्रचंड जीत

17वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने इतिहास रच दिया। भाजपा ने जहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 303 सीटों पर जीत का परचम लहराया, वहीं कांग्रेस 52 सीटों पर सिमट कर रह गई। भाजपानीत राजग ने 353 सीटों पर शानदार सफलता प्राप्त की, जबकि कांग्रेसनीत यूपीए के खाते में 91 सीटें आईं। इस प्रकार, मतदाताओं ने प्रचंड बहुमत के साथ फिर देश की बागडोर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों में सौंप दी। भाजपा ने राष्ट्रीय विचार और विकास की राजनीति के सहारे जातिवाद, परिवारवाद व तुष्टीकरण की राजनीति को ध्वस्त कर दिया। भाजपा ने इस बार 2014 के लोकसभा चुनाव से भी बड़ी जीत हासिल की। भाजपा ऐसी पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी बनी जिसने लगातार दूसरी बार बहुमत से जीत हासिल की। कांग्रेस की लगातर दूसरी बार ऐसी हार हुई कि वह नेता प्रतिपक्ष के लिए फिर एक बार जरूरी आंकड़ा नहीं जुटा सकी। कांग्रेस के नौ पूर्व मुख्यमंत्रियों समेत उसके अनेक वरिष्ठ नेताओं को हार का सामना करना पड़ा। 17 राज्यों में कांग्रेस का खाता नहीं खुला।

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश देश का वह राज्य है जो केंद्र की सत्ता हासिल करने में सबसे अहम भूमिका निभाता है। राज्य में लोकसभा की कुल 80 सीटें हैं। यहां मुख्य मुकाबला भाजपानीत राजग और सपा-बसपा-रालोद गठबंधन के बीच था। भाजपा ने 62 सीटों पर शानदार सफलता प्राप्त की। वाराणसी सीट से इस बार भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं लखनऊ से केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह जीते। अमेठी लोकसभा सीट से निवर्तमान सांसद कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी को केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने परास्त किया।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	49.56	62
अपना दल	--	2
सपा	17.96	5
कांग्रेस	6.31	1
बसपा	19.26	10

बिहार

बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। राज्य में इस लोकसभा चुनाव में दो गठबंधनों के बीच मुकाबला था। यहां राजग में भाजपा, जद(यू) और लोजपा शामिल थे, वहीं महागठबंधन में राजद, कांग्रेस एवं अन्य दल समाहित थे। यहां भी राजग के पक्ष में जबरदस्त लहर दिखी और इस गठबंधन ने 39 सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की, वहीं महागठबंधन की करारी हार हुई और उसे महज एक सीट से संतोष करना पड़ा। सबसे अधिक दुर्गति राष्ट्रीय जनता दल की हुई जो शून्य पर बोल्ड हो गया।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	23.58	17
जद (यू)	21.81	16
लोजपा	7.86	6
कांग्रेस	7.70	1
राजद	15.36	0

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश में 29 लोकसभा सीटों के लिए हुए चुनाव में भाजपा ने 28 सीटों पर जीत का परचम लहराया। मुख्य मुकाबला भाजपा और

कांग्रेस के बीच रहा। राज्य में महज छह महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करनेवाली कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। भोपाल से भाजपा प्रत्याशी साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रत्याशी श्री दिग्विजय सिंह को भारी मतों से शिकस्त दी। गुना लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार डॉ. केपी यादव ने कांग्रेस उम्मीदवार श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पराजित किया।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	58.00	28
कांग्रेस	34.50	1

राजस्थान

लोकसभा चुनाव में मोदी लहर का असर राजस्थान में भी दिखा। भाजपानीत राजग ने सभी 25 सीटें जीत लीं और कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिल पाई। यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला था। भाजपा ने 24 सीटों पर जीत दर्ज की तो राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने एक सीट पर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के पुत्र जोधपुर से चुनाव हारे। गौरतलब है कि पांच महीने पहले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सफलता प्राप्त की थी, लेकिन लोकसभा चुनाव में वह बुरी तरह से हार गई।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा +	58.47	25
कांग्रेस	34.24	0

गुजरात

गुजरात में लोकसभा की 26 सीटें हैं। गुजरात में पारंपरिक रूप से भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होता रहा है, लेकिन इस बार कई छोटी पार्टियां भी मैदान में थीं। भाजपा ने पिछले लोकसभा में अपने प्रदर्शन को दोहराते हुए सभी 26 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस यहां अपना खाता भी नहीं खोल पाई। गुजरात के गांधीनगर लोकसभा सीट से भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह चुनाव लड़े थे। वह साढ़े पांच लाख से अधिक वोटों से चुनाव जीते।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	62.21	26
कांग्रेस	32.11	0

महाराष्ट्र

भाजपा-शिवसेना गठबंधन को राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से 41 पर जीत मिली। भाजपा ने 23 और उसकी सहयोगी पार्टी शिवसेना ने 18 सीटों पर जीत हासिल की। उधर, कांग्रेस को एक और राकांपा को चार सीटें मिलीं। विजयी उम्मीदवारों में भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्रियों सर्वश्री नितिन गडकरी और सुभाष भामरे शामिल हैं, जिन्होंने क्रमशः नागपुर और धुले से जीत दर्ज की। कांग्रेस उम्मीदवार एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अशोक चव्हाण सहित उसके अनेक प्रमुख नेता चुनाव हार गए।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	27.59	23
शिवसेना	23.29	18
कांग्रेस	16.27	1
राकांपा	15.52	4
एआइएमआइएम	0.72	1

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 42 में से 18 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की। उसे यहां 16 सीटों का फायदा हुआ। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को मात्र 22 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। वहीं, राज्य में साढ़े तीन दशकों तक लगातार शासन करने वाले वामदलों की करारी हार हुई। माकपा का खाता तक नहीं खुला। राज्य में लोकसभा चुनाव के सभी चरणों के दौरान सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस द्वारा व्यापक पैमाने पर हिंसा की गई। ऐसी संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में भाजपा की जीत उल्लेखनीय है।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	40.25	18
तृणमूल कांग्रेस	43.28	22
कांग्रेस	5.61	2
माकपा	6.28	0

उत्तराखंड

उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों पर मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच ही रहता है। 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने सभी पांचों सीटों पर जीत हासिल कर कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया था। इस बार भी भाजपा ने सभी सीटों पर शानदार जीत दर्ज की।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	61.01	5
कांग्रेस	31.40	0
बसपा	4.48	0

झारखंड

झारखंड में लोकसभा की कुल 14 सीटें हैं। यहां मुकाबला राजग गठबंधन और महागठबंधन के बीच था। भाजपानीत राजग में ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन है तो विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और झारखंड विकास मोर्चा है। भाजपा को 11 सीटों और आजसू को एक सीट पर विजय मिली।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	50.96	11
कांग्रेस	15.63	1
आजसू	4.33	1
झामुमो	11.51	1

हरियाणा

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने हरियाणा के अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल की। इससे पहले 2014 में भाजपा ने 7 सीटें जीती थीं, इस बार सभी 10 सीटें जीतकर परचम लहरा दिया। इससे भाजपा को आने वाले विधानसभा चुनाव में काफी फायदा मिलेगा, जो कुछ महीनों बाद होने वाले हैं।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	58.02	10
कांग्रेस	28.42	0
बसपा	3.64	0
आइएनएलडी	1.89	0

हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज करते हुए 2014 आम चुनावों का अपना प्रदर्शन दोहराया। इस पर्वतीय राज्य में कांग्रेस एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी। राज्य की लोकसभा सीटों- मंडी, कांगड़ा, हमीरपुर और शिमला पर भाजपा प्रत्याशियों ने जीत हासिल की।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	69.11	4
कांग्रेस	27.30	0

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में राज्य निर्माण के बाद से लेकर अब तक वर्ष 2004, 2009, 2014 और इस आम चुनाव को मिलाकर कुल चार लोकसभा के चुनाव हुए हैं। तीन लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 11 में से 10 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में पार्टी ने नौ सीटों पर जीत दर्ज की।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	50.70	9
कांग्रेस	40.91	2
बसपा	2.30	0

गोवा

गोवा में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर रही और दोनों दलों के खाते में एक-एक सीट आई। उत्तर गोवा लोकसभा सीट से भाजपा नेता और केन्द्रीय मंत्री श्रीपद येसो नाईक ने जीत हासिल की।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	51.18	1
कांग्रेस	42.92	1
एएएपी	3.01	0

ओडिशा

ओडिशा में 21 लोकसभा सीटें हैं। यहां बीजू जनता दल और भाजपा के बीच सीधी टक्कर रही। बीजद ने 12 सीटों पर और भाजपा ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस को केवल 1 सीट से संतोष करना पड़ा। भाजपा ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए 2014 के मुकाबले इस बार अपनी सीटें 1 से बढ़ाकर 8 कर ली।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	38.37	8
बीजद	42.76	12
कांग्रेस	13.81	1

जम्मू –कश्मीर

जम्मू-कश्मीर की छह लोकसभा सीटों में से तीन सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की, वहीं तीन सीटें नेकां के खाते में गईं। दूसरी ओर, पीडीपी और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	46.39	3
नेकां	7.89	3
कांग्रेस	28.47	0
पीडीपी	2.37	0

पंजाब

13 लोकसभा सीटों वाले पंजाब में इस बार 8 सीटों पर कांग्रेस ने सफलता प्राप्त की। भाजपा ने दो सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि अकाली दल के खाते में भी दो ही सीटें आईं। आम आदमी पार्टी को केवल 1 सीट से संतोष करना पड़ा।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	9.63	2
कांग्रेस	40.12	8
शिअद	27.45	2
एएएपी	7.38	1
बसपा	3.49	0

भाजपा मुख्यालय में संबोधन

जनता ने परिवारवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया: अमित शाह

भाजपा की शानदार जीत के बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि इस चुनाव में जनता ने विपक्षी दलों के परिवारवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने इस जीत का श्रेय बूथ कार्यकर्ताओं से लेकर जमीन पर काम करने वाली जनता को दिया। उन्होंने कहा कि यह सरकार की नीतियों और मोदी जी की लोकप्रियता की जीत है। श्री अमित शाह ने 23 मई को लोकसभा के चुनाव परिणामों में भाजपा की शानदार कामयाबी के बाद पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' की विचारधारा

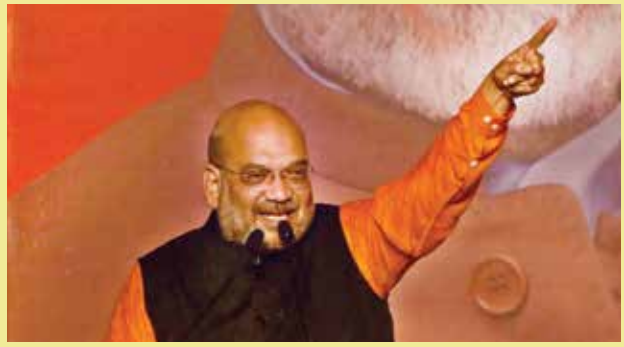

के साथ चलने वाली पार्टियों के खिलाफ यह मोदी जी की 'सबका साथ, सबका विकास' वाली विचारधारा की भी जीत है। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने 5 साल में देश के गौरव को बढ़ाने का काम किया है। मोदी सरकार ने देश के कोने-कोने में सुविधाएं पहुंचाने का काम किया है, इसलिए जनता ने भाजपा को जिताया है। हमें 17 राज्यों में 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। श्री शाह ने टीडीपी नेता श्री चंद्रबाबू नायडू पर हमला बोलते हुए कहा कि यदि वह इतनी मेहनत वोट मांगने में करते तो अच्छा था, उनका खाता खुल जाता। भाजपा अध्यक्ष ने यूपी में गठबंधन पर कहा कि सपा-बसपा के मिलने पर सवाल होता था कि क्या होगा, लेकिन जनता ने हमें 60 सीटों पर जीत दिलाकर परिवारवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया है। बंगाल में अत्याचार के बावजूद 18 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। साथ ही श्री शाह ने विधानसभा चुनावों में जीत के लिए श्री नवीन पटनायक और श्री जगनमोहन रेड्डी को बधाई दी। ■

दक्षिण में और मजबूत हुई भाजपा

दक्षिण भारत में भाजपा और मजबूत हुई है। कर्नाटक में भाजपा को कुल 28 सीटों में से 25 सीटों पर विजय प्राप्त हुई। वहीं, तेलंगाना में भाजपा को कुल 17 सीटों में से 4 सीटों पर विजय मिली। गौरतलब है कि यहां पर कांग्रेस को मात्र 3 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। दमन और दीव की एक मात्र सीट भाजपा के खाते में गई। हालांकि, दादरा एवं नागर हवेली में भाजपा को 40.92 प्रतिशत वोट प्राप्त हुआ, फिर भी वह एक मात्र सीट निर्दलीय से हार गई। केरल में भाजपा को 12.93 प्रतिशत वोट प्राप्त हुआ। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भाजपा को 45.30 प्रतिशत वोट प्राप्त हुआ, फिर भी वह 1 प्रतिशत से भी कम मत अन्तर से सीट हार गई।

कर्नाटक

कर्नाटक में लोकसभा की कुल 28 सीटें हैं। यहां पर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में जबरदस्त लहर थी। भाजपा को 25 सीटें प्राप्त हुईं। कांग्रेस, जनता दल (सेक्युलर) और निर्दलीय को एक-एक सीट प्राप्त हुईं।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	51.38	25
कांग्रेस	31.88	1
जनता दल (सेक्युलर)	9.67	1
निर्दलीय	-	1

तेलंगाना

तेलंगाना में लोकसभा की कुल 17 सीटें हैं। यहां पर भाजपा को 4 सीटें प्राप्त हुईं। कांग्रेस को 3, तेलंगाना राष्ट्रीय समिति को 9 और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन को 1 सीट प्राप्त हुईं।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	19.45	4
कांग्रेस	29.48	3
तेलंगाना राष्ट्रीय समिति	41.29	9
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन	-	1

दमन और दीव

दमन और दीव में लोकसभा की कुल 1 सीट है। यहां पर भाजपा को 1 सीट प्राप्त हुईं।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	42.98	1
कांग्रेस	31.62	0

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में लोकसभा की कुल 7 सीटें हैं। यहां पर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में जबरदस्त लहर थी। भाजपा को 7 सीटें प्राप्त हुईं।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	56.56	7
कांग्रेस	22.51	0

चंडीगढ़

चंडीगढ़ में लोकसभा की कुल 1 सीट है। यहां पर भाजपा को 1 सीट प्राप्त हुई।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	50.64	1
कांग्रेस	40.3	0

पूर्वोत्तर में खिला कमल

पूर्वोत्तर में भाजपा को भारी जीत प्राप्त हुई। असम में भाजपा को कुल 14 सीटों में से 9 सीटों पर जीत हासिल हुई। अरुणाचल प्रदेश की दोनों सीटों पर भाजपा विजयी रही। त्रिपुरा में भी दोनों सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। मणिपुर की दो सीटों में से एक सीट पर भाजपा विजयी रही। मेघालय में भाजपा को 7.93 प्रतिशत वोट प्राप्त हुआ। वहीं, मिजोरम में पार्टी को 5.75 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

असम

असम में लोकसभा की कुल 14 सीटें हैं। यहां पर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में जबरदस्त लहर थी। भाजपा को 9 सीटें प्राप्त हुईं। कांग्रेस को 3, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट को 1 और निर्दलीय को 1 सीट प्राप्त हुई।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	36.05	9
कांग्रेस	35.44	3
ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट	-	1
निर्दलीय	-	1

अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा की कुल 2 सीटें हैं। यहां पर भाजपा को 2 सीटें प्राप्त हुईं।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	58.22	2
कांग्रेस	20.69	0

त्रिपुरा

त्रिपुरा में लोकसभा की कुल 2 सीटें हैं। यहां पर भाजपा को 2 सीटें प्राप्त हुईं।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	49.03	2
कांग्रेस	25.34	0
सीपीएम	17.31	0

मणिपुर

मणिपुर में लोकसभा की कुल 2 सीटें हैं। यहां पर भाजपा को 1 सीट प्राप्त हुई। नागालैंड पीपुल्स फ्रंट को भी 1 सीट प्राप्त हुई।

दल	मत प्रतिशत	सीट
भाजपा	34.22	1
कांग्रेस	24.63	0
नागालैंड पीपुल्स फ्रंट	22.48	1

इस चुनाव में हमने 'विकास राष्ट्रवाद' को आकार दिया है: डॉ. विनय सहस्रबुद्धे

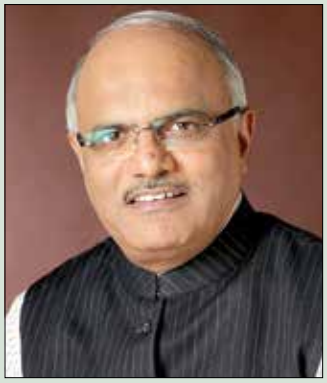

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राज्यसभा सदस्य एवं मध्यप्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्रबुद्धे से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर लोकसभा चुनाव एवं वैचारिक विषयों पर कमल संदेश के सहायक संपादक संजीव कुमार सिन्हा ने बातचीत की। प्रस्तुत हैं मुख्य अंश :

भाजपा ने इस बार 2014 के लोकसभा चुनाव से भी बड़ी जीत हासिल की। इस जीत के क्या कारण रहे?

मुझे लगता है कि देश की राजनीति ने एक दृष्टि से करवट बदली है। चुनावी राजनीति का जो पारंपरिक व्याकरण था उसमें भी एक आमूलचूल परिवर्तन आने की दिशा में ये चुनाव परिणाम संकेत करते हैं। आमतौर पर चुनाव लड़े जाते थे लोकलुभावन वादों के आधार पर। किसी भावनात्मक विषय को एकदम से ऊपर उठाते हुए या फिर अस्मिता से जुड़े, पहचान या परिचय से जुड़े विषयों को आगे लाते हुए भारत में चुनाव सामान्य तौर पर लड़े जाते हैं।

इस समय जो देख रहा हूं या जो समझ में आ रहा है वो मैं वर्णन करूंगा कि एक तरीके से जैसे डेवलपमेंट इकॉनोमिक्स होता है, डेवलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन नाम की एक नई ज्ञान-शाखा चली आई है। वैसे इस चुनाव की देन है कि इसने डेवलपमेंट नेशनलिज्म को आकार दिया है। तो यह एक 'विकास राष्ट्रवाद' है। इसको कोई 'राष्ट्र विकासवाद' भी कह सकता है, जिसमें राष्ट्रीय अस्मिता के, राष्ट्रीय स्वाभिमान के, राष्ट्र की विश्व में जो पहचान है, पहचान के और देश के विकास के; और विकास में सामाजिक न्याय भी है, अंत्योदय भी है, गरीबी उन्मूलन भी है, सारी चीजें हैं। इन सारे विषयों का एक मिला–जुला रसायन बना है। जिस रसायन ने एक बहुत बड़ा परिवर्तन इस चुनाव में सिद्ध किया है। तो उस दृष्टि से मैं पहले मुद्दे पर आता हूं कि यह चुनाव एक दृष्टि से राजनीति की बदलती हुई करवट का परिचायक है और बदले हुए व्याकरण का एक चिह्न है, उसको चिन्हित करने वाला, उसको निर्देशित करने वाला ये चुनाव है।

आपके पास मध्य प्रदेश भाजपा के प्रभारी का भी दायित्व है। इस प्रदेश में लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की। हालांकि कुछ महीने पूर्व हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। लोकसभा चुनाव में इतनी जल्दी भाजपा ने शानदार जीत कैसे हासिल की?

–देखिए, मध्य प्रदेश के बारे में मैं यह कहूंगा कि वहां पर तीन कारण सबसे महत्वपूर्ण रहे। पहली बात ये रही कि वहां के मतदाताओं को शिवराज सिंह सरकार के अपदस्थ होने का एक पछतावा था, उनको छोटी–मोटी नाराजगी पन्द्रह साल रही सरकार के बारे में होना स्वाभाविक है, मगर नाराजगी इतनी भी नहीं थी कि वो सरकार को हटते हुए देखे, मगर सरकार मात्र 4 सीटों के लिए सत्तासीन नहीं हो पाई तो उसके कारण पश्चाताप से दग्ध, ऐसा मध्य प्रदेश का जनमानस था। वो भूल सुधारने की कोशिश उन्होंने बड़े जबरदस्त तरीके से इस चुनाव में की हुई दिखाई दे रही है, ये एक बात है।

दूसरी बात है कि कमलनाथ सरकार के सत्तासीन होने के बाद जो वहां के गवर्नेंस का स्वरूप रहा है, वो भी बहुत निराशाजनक है और किसी भी आश्वासन की प्रतिपूर्ति में कोई कारगर कदम नहीं उठाए गए। कानून व्यवस्था चरमरा गई है। भ्रष्टाचार के नए–नए किस्से लोग एक–दूसरे को बता रहे हैं। अपने अनुभव के आधार पर, स्वयं उनके निजी सचिव के दफ्तर में करोड़ों की संपदा पाई गई है और इनके जो तीन शीर्षस्थ नेता हैं, इसके आपस दिक्कतों के चलते भी वहां की राजनीति में एक अस्थिरता आई है, तो ऐसी स्थिति में लोगों को उस सरकार के पक्ष में वोट देने का एक भी कारण कमलनाथ सरकार ने दिया नहीं है, तो लोग क्यों वोट देंगे। और तीसरी बात, जो पूरे देश के लिए मायने रखती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को पुनः सत्ता में प्रतिस्थापित करने के प्रति लोगों में जबरदस्त उत्साह और अनुकूलता की भावना थी, तो इन तीन कारणों से हम मध्यप्रदेश का चुनाव जीत पाए हैं।

अब कुछ वैचारिक प्रश्न। भाजपा और कांग्रेस में क्या अंतर है?

कांग्रेस–भाजपा में अंतर तो काफी है। हमारी भारतीय जनता पार्टी की अपनी जो विशिष्ट पहचान है, वो संगठन के कारण है, विचारधारा के कारण है, और मैं मानता हूं कि विचारधारा इसमें अहम है। इस विचारधारा का प्रतिबिंब हमारे संगठन शैली में भी है, और हमारे गवर्नेंस में भी है, मगर मूल अंतर विचारों का है।

सबसे पहली बात है कि कांग्रेस समेत बहुत सारे राजनीतिक दलों ने जो विचारों का मार्ग स्वीकार किया है, वो मुख्यतः भारत के बाहर जन्मी हुई विचारधाराओं का है, भारतीय विचारधारा जिसको हम कहेंगे स्वदेशी विचारधारा, इस देश की मिट्टी का सुगंध रखनेवाली विचारधारा, उसके आधार पर काम करने वाला विचारधारा कोई है, जो पूर्णरूपेण विचारधारा अधिष्ठित दल है तो वो भाजपा है। दूसरा है कि कम्युनिस्टों का अपवाद छोड़िए तो बहुत सारे दल ऐसे हैं जो एक घराने पर केंद्रित हैं और भारतीय जनता पार्टी देश के सभी क्षेत्रों में उपस्थित होने के बावजूद भी यहां पर न राष्ट्रीय स्तर पर, न राज्य स्तर पर किसी एक घराने की चलती है। हमारे यहां प्रदेश का, जिले का या देश का राष्ट्रीय अध्यक्ष पार्टी का कौन बनेगा, इसके बारे में कोई बता नहीं सकता, जबकि अन्यान्य दलों में लोग बता पाते हैं कि इनका बेटा होगा, इनका पोता होगा, या नाती होगा या ये होगा। तो भारतीय जनता पार्टी संगठन के संदर्भ में पूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से चलने वाली पार्टी है और वो भी विचारधारा का अंग है। तीसरी बात है कि बाकी बहुत सारे दल वोट–बैंक की राजनीति के कारण समाज में विभेद उत्पन्न करने पर तुले हुए होते हैं। समाज जितना ज्यादा विभाजित उतनी उनकी जीत की संभावना अधिक, ये गणित रहता है, जबकि यहां हम सामाजिक एकता के कारण पर चुनाव लड़ते हैं। हम पार्टी को किसी एक वर्ग विशेष तक सीमित रखने के विरोध में हैं जबकि देश में कई राजनीतिक दल हैं, जिनका एक समाज विशेष के साथ इतना गहरा रिश्ता बन गया है कि उसके अतिरिक्त लोग उनके बारे में सोच ही नहीं सकते हैं। एक समीकरण सा बन गया है कि एक्स पार्टी यानी ये समाज, वाई पार्टी यानी ये समाज, ऐसा भाजपा के बारे में कोई नहीं कह पाएगा। चौथा महत्वपूर्ण बिन्दु है जो विचारधारा को ही परिलक्षित करता है। हम कहते हैं कि राष्ट्र प्रथम, दल उसके पश्चात् और व्यक्ति उसके बाद तो इसी विचार की परछाई हमारी गवर्नेंस में भी दिखती है।

प्रधानमंत्री मोदीजी हों या हमारे विभिन्न मुख्यमंत्री हों, इन्होंने गवर्नेंस यानी शासकता में एक उद्देश्यपूर्णता लाई है, जो लगभग निष्कासित हो चुकी थी और इसलिए सरकार में काम करना यानी केवल लालबत्ती की कार में बैठना, सरकार में काम करना यानी लेटरहेड या विजिटिंग कार्ड छपवाना, सरकार में काम करना यानी अफसरशाही पर नकेल कसना, इतना मात्र नहीं होता है, या रौब जमाना है या गार्ड ऑफ ऑनर लेना है, इतना मात्र नहीं होता, सरकार में बैठना यानी एक दायित्व निभाना है और दायित्व के पीछे उद्देश्यपूर्णता के आधार पर उस दायित्व को निभाना ये होता है और इसका परिचय मुझे लगता है कि भारतीय जनता पार्टी अपने सरकारों के माध्यम से देती रही है।

आपने कहा कि कांग्रेस का संबंध विदेशी विचारधारा से है। इसका आधार क्या है?

कांग्रेस की विचारधारा विदेशी मतलब क्या, मूलतः कांग्रेस की जो विचारधारा थी वो स्वाधीनता आंदोलन तक तो भारत को स्वाधीन करना, इतनी ही थी। मगर स्वाधीनता आंदोलन के बाद देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरूजी के ऊपर साम्यवाद का एक आकर्षण था और इसीलिए सोवियत रूस का मॉडल उन्हें बेहद पसंद था, जिसके कारण हमारे यहां प्लैंड इकॉनोमी, योजना आयोग, ये सारा विषय आया और 1956–57 में मद्रास के निकट आवडी में जब कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था, उसमें उन्होंने समाजवादी धारा को अपना लिया।

हम कहते हैं कि पहले तो हमारा जनतंत्र आध्यात्मिक जनतंत्र है, बाद में वो राजनीतिक है और अब बाबासाहेब अंबेडकर के सपनों के अनुसार हमें सामाजिक और आर्थिक जनतंत्र की ओर बढ़ना है। मगर इन्हें सेकुलरिज्म का मोह इतना हो गया, जो एक विशिष्ट परिस्थिति के कारण ब्रिटेन में पनपी हुई विचारधारा थी, हमारे यहां कभी भी पंथ के आधार पर सत्ता नहीं थी, तो ये सारी चीजें इसी को परिलक्षित करती हैं कि कांग्रेस की विचारधारा भी धीरे–धीरे विदेश के संदर्भ में जानी जाने लगी।

भाजपा नया भारत बनाने की बात कहती है। पार्टी के पास नए भारत के लिए क्या विजन है?

देखिए, भाजपा का विजन हमारे सनातन संस्कृति के सूत्र वाक्य से ही है। और वो है– सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। सभी सुखी हों, सभी को निरामय जीवन का लाभ हो और इसलिए अंत्योदय का जो दर्शन है, वो हमारा एक दृष्टि से प्राणतत्व है। हम प्रेरणा राष्ट्रवाद या राष्ट्रभक्ति से लेते हैं, अंत्योदय हमारा लक्ष्य है। उसको पाने के लिए हमारे जो साधन हैं, उसका नाम है– सुशासन और विकास।

सुशासन और विकास ये कोई केवल फ्लाईओवर्स के माध्यम से या बुलेट ट्रेन के माध्यम से नहीं होता है, बुलेट ट्रेन, फ्लाईओवर्स, अच्छी परिवहन व्यवस्थाएं, ये तो बहुत महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि उसके आधार पर हमारी अर्थव्यवस्था को गति मिलती है, अर्थव्यवस्था को गति मिलती है तो समाज के निचले तबके तक विकास का रिसाव होता है। संसाधन वहां भी पहुंचते हैं और लोग सपने देखने लगते हैं, जब लोग आकांक्षावान हो जाते हैं, तब वो और तरक्की करते हैं, तो यही हमारी धारणा है। ये कोई किसी को एनटाइटलमेंट के आधार पर कि कोई उसके नाम से जमीन करो, उसको फलाना पैसे दे दो, इसके माध्यम से नहीं होता, हमने अगर जनकल्याण के कार्यक्रम किए हैं, तो वो भी सशक्तिकरण के लिए किए हैं, ताकि वो अपने पैरों पर खड़ा हो पाए।

अंबेडकरजी ने जो कहा था उस समय कि नौकरी मांगने वाले मत रहो, देने वाले बनो, इसको अमल में लाने के लिए मोदीजी को सत्ता हाथ में लानी पड़ी। उसके पहले क्या अंबेडकरजी का नाम किसी ने नहीं लिया था, लिया तो था मगर केवल नाम लिया था, काम तो भूल गए थे तो हमने वो किया है। ■

संगठन की सक्रियता और भाजपा सरकार की उपलब्धियों के चलते हमारी शानदार जीत हुई: श्याम जाजू

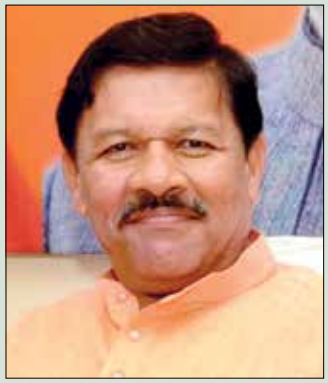

देश के अनेक राज्यों की तरह उत्तराखंड और दिल्ली में भी भाजपा ने सभी लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की। पार्टी ने उत्तराखंड की सभी पांच और दिल्ली की सात सीटों पर कमल खिलाया। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम जाजू के पास दिल्ली एवं उत्तराखंड के प्रदेश प्रभारी का दायित्व है। कमल संदेश के सहायक संपादक संजीव कुमार सिन्हा ने नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में उनसे लोकसभा चुनाव के संदर्भ में इन दोनों राज्यों में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर बातचीत की। अपने संगठनात्मक कौशलता के लिए ख्यात श्री जाजू का कहना है कि संगठन की सक्रियता और भाजपा सरकार की उपलब्धियों के चलते पार्टी ने शानदार सफलता प्राप्त की। प्रस्तुत हैं मुख्यांश :

आप भाजपा, दिल्ली प्रदेश और उत्तराखंड के प्रदेश प्रभारी हैं। इन दोनों राज्यों में पार्टी ने शत–प्रतिशत सीटें जीती हैं। इस जीत के क्या कारण रहे?

उत्तराखंड भारतीय जनता पार्टी का गढ़ रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भी हमने सभी पांचों सीटें जीती थी, उसके बाद विधानसभा का चुनाव हुआ तो 70 में से 57 सीटें हम जीते, थराली का उपचुनाव हुआ वो भी हम जीते, नगर निकाय के चुनाव हुए उसमें भी बढ़त हासिल की और इस बार भी पांचों की पांच सीट हमने जीती। कांग्रेस नेता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत हारे, इस सबके पीछे प्रमुख कारण यह रहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। केंद्र से ऑलवेदर रोड के लिए जो पैसे गए, रेल के लिए जो पैसे गए, इससे वहां की अर्थव्यवस्था में परिवर्तन आया है, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है और इन सबके चलते प्रदेश का भरपूर विकास हुआ। अब उत्तराखंड एक ऐसा प्रदेश है जहां मुख्यमंत्री ने शत–प्रतिशत स्वास्थ्य बीमा दिया है, अटल आयुष्मान योजना वहां पर लागू किया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार की उपलब्धियों का भी हमें फायदा हुआ, इस सबके चलते उत्तराखंड में हम पांचों सीटें जीते।

जहां तक दिल्ली का सवाल है, दिल्ली में भी पिछली बार हम सभी सातों सीटें जीते थे। दिल्ली में भी केंद्र सरकार के माध्यम से इस पांच साल के कार्यकाल में जो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हुआ है, इसका हमें लाभ मिला। दिल्ली में कांग्रेस ने बड़े दिग्गज नेता मैदान में उतारे थे। पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, उन सबको लोगों ने नकारा। आम आदमी पार्टी से लोगों को हताशा थी और उन्होंने एकमात्र सशक्त और समर्थ विकल्प के रूप में भारतीय जनता पार्टी को चुना।

दोनों राज्यों में भाजपा ने लोकसभा चुनाव को लेकर किस प्रकार की रणनीति बनाई थी, चुनाव अभियान किस प्रकार चला, इसके बारे में हमें बताएं।

भाजपा का संगठनात्मक ढांचा मजबूत है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने बहुत अच्छा काम किया। दोनों ही राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का पन्ना प्रमुख, बूथ प्रमुख, शक्ति केंद्र प्रमुख, मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, ये जो नेटवर्क था, इस नेटवर्क ने प्रत्याशियों की मेहनत के समानांतर सघन अभियान चलाया, इसका यह परिणाम हुआ कि शानदार जीत हम हासिल कर पाए। उत्तराखंड में विषेशकर हमारे लोगों ने सभी जगह पर अनुसूचित जाति के सम्मेलन किए, 70 के 70 विधानसभाओं में हमारे सम्मेलन हुए, युवा शक्ति को जोड़ने के लिए बाइक रैलियां हुईं।

दिल्ली में हर विधानसभा क्षेत्र में महिला मोर्चा का सम्मेलन हुआ। यहां भी अनुसूचित जाति मोर्चा ने बहुत अच्छा काम किया, रामलीला मैदान में विशाल कार्यक्रम आयोजित किया था। झुग्गी–झोपड़ी का वोट–बैंक जो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में शिफ्ट हो गया था, वो भी इस बार हमारे साथ रहा। कई पैमाने पर मुस्लिम वोट भी हमें मिले हैं। इन सबका मिला–जुला असर ये रहा कि हम इन दोनों राज्यों में सभी सीटें जीत पाए। ■

बिहार की जनता एकजुट होकर नरेन्द्र मोदी के साथः नित्यानंद राय

बिहार भाजपा के अध्यक्ष और लगातार दूसरी बार उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित श्री नित्यानंद राय कमल संदेश के एसोसिएट एडिटर विकाश आनंद से बिहार में भाजपा के प्रदर्शन पर चर्चा की। प्रस्तुत है बातचीत के अंश:

जब लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई तब आपने कभी सोचा था कि 40 में 39 सीटें जीतेंगे?

जिस प्रकार से आदरणीय प्रधानमंत्री जी का नाम और काम और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह जी की चाणक्य नीति, उनका दृढ संकल्प, कुशल संगठनकर्ता के कारण पहले से ही लग रहा था कि इतनी बड़ी जीत बिहार में होगी और हमने 40 में से 39 सीटें जीती।

राजद-कांग्रेस नीत गठबंधन को बिहार की जनता ने पूरी तरह ख़ारिज कर दिया। विपक्षी गठबंधन की हार को किस तरह देखते हैं?

देखिए इस बार का चुनाव विकास-प्रेमियों और देश-प्रेमियों का चुनाव था। जातिवाद के बुनियाद पर राजनीति करने वाले लोगों को जनता इस बार पहले से नकारने के मूड में थी। क्योंकि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनते हीं उन्होंने जो अपना दृष्टिकोण रखा था, जो संकल्प लिया था कि इस देश से गरीबी मिटायेंगे, विकास की धारा जन जन तक पहुचाएंगे और उन्होंने किया भी। गरीबों के जीवन में रोशनी दी या यूं कहें कि जो घर अभी तक अंधियारे में था उसमें उन्होंने दीपक जलाया यानी विकास की दीपक। पहले एक सोच बनी थी विकास हो या न हो हमें जात के नाम पर वोट देना है। हमारे मान सम्मान को ठेस पहुंचे या जो हो हमें जात के नाम पर वोट देना है। ये सारी बातें गौण हो गयी। जातिवाद,क्षेत्रवाद सारा मिटा और सब लोग नरेन्द्र मोदी के विकास पर विश्वास करके और दुनियां में जो देश का मान सम्मान बढ़ाया को ध्यान में रखकर दुबारा मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए मतदान किया और बिहार में प्रधानमंत्री जी के नाम और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के कुशल नेतृत्व ने इतना सीट बिहार में दिया।

बिहार चुनाव अभियान में प्रदेश भाजपा ने कौन से कार्यक्रम की रचना की जो स्वयं में विशिष्ट थे और उनका चुनाव पर क्या प्रभाव पड़ा?

देखिए, हम लोगों ने नरेन्द्र मोदी जी के विकास के कार्यों का महासंपर्क अभियान तीन बार चलाया। हम लोगों ने लगभग तीन करोड़ से ज्यादा मोदी सरकार के उपलब्धियों पर फोल्डर बनवाये पर्चियां बनवाईं, बुकलेट बनवाए और तीन बार कार्यकर्ताओं ने महाभियान चलाकर नरेन्द्र मोदी जी के विकास के कार्य को, इनके संकल्प को, इनके दृष्टिकोण को, उनकी देश के प्रति प्रतिबद्धता को, किस प्रकार से पहले गरीबों को छला गया था और किस प्रकार नरेन्द्र मोदी जी ने गरीबों के विकास के लिए और 'सबका साथ सबका विकास' को लेकर काम प्रारंभ किया, हम लोगों ने साहित्य के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाया। संगठन का भी काम और विस्तार माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के कुशल नेतृत्व और बिहार के प्रभारी भूपेंद्र यादव जी के मार्गदर्शन में हुआ। सबसे बड़ी बात यह है कि जनता का विश्वास हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने जीता।

इस चुनाव से बिहार की जनता ने क्या संदेश दिया है?

बिहार की जनता ने संदेश दिया कि वह जात-पात से ऊपर उठकर विकास चाहती है। जो पीढ़ी विकास से दूर रह गई,जो गांव, क्षेत्र विकास से कोसो दूर रह गया उसने इस बार मतदान करके नरेन्द्र मोदी जी में विश्वास जताया है और एकजुट होकर नरेन्द्र मोदी जी के हम साथ है और विकास को और आगे बढाने के लिए नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे और देश के मान सम्मान बढ़ाने के लिए जनता नरेन्द्र मोदी जी के साथ होगी। बिहारवासियों के तरफ से आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह जी को बहुत-बहुत बधाई।

लोकसभा चुनाव, 2019 में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद विजयोत्सव की छवियां

लोकसभा चुनाव में मिली जीत के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय को नमन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेतागण

नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्तागण

लोकसभा चुनाव, 2019 में भाजपा की जीत के बाद खुशियां मनाते भाजपा कार्यकर्तागण

लोकसभा चुनाव में जीत के बाद खुशियां मनाते भाजपा कार्यकर्तागण

लोकसभा चुनाव में जीत के बाद खुशियां मनाते भाजपा कार्यकर्तागण

यह जनता और माननीय प्रधानमंत्री मोदीजी की जीत है: जी. किशन रेड्डी

सिकंदराबाद (हैदराबाद) निर्वाचन क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद श्री किशन रेड्डी भाजपा के ऊर्जावान युवा नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक युवा नेता के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत करते हुए उन्होंने 2002 से 2005 तक भारतीय जनता युवा मोर्चा (BJYM) के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। वे 2004 में हिमायतनगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक के रूप में चुने गए और 2009 और 2014 में फिर से तेलंगाना के अंबरपेट विधानसभा सीट से चुनकर आए। उन्हें श्री बंडारू दत्तात्रेय के उत्तराधिकारी के रूप में तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष के रूप में चुना गया। इस अवधि के दौरान उन्होंने राज्य विधानसभा में भाजपा के सदन के नेता जैसी जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। सिकंदराबाद से अपनी जीत सुनिश्चित करने के साथ ही श्री रेड्डी ने न केवल पार्टी के पारंपरिक गढ़ को बरकरार रखा है, बल्कि तेलंगाना राज्य में बीजेपी का सफलतापूर्वक विस्तार भी किया है।

कमल संदेश के एसोसिएट एडिटर राम प्रसाद त्रिपाठी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में श्री रेड्डी ने तेलंगाना में भाजपा की भारी जीत और राज्य के अगले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति पर अपने विचार रखे।

उन्होंने इस बात का खुलासा भी किया कि कैसे पार्टी ने संगठन को राज्य में जमीनी स्तर तक पहुंचाया और साल 2023 तक कैसे टीआरएस की परिवारवादी राजनीति और तानाशाही सरकार को ध्वस्त कर भाजपा सत्ता में आएगी। प्रस्तुत है बातचीत के प्रमुख अंशः

महोदय, इस बार सिकंदराबाद सीट से संसद सदस्य चुने जाने पर बहुत-बहुत बधाई। पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनावों में 118 सीटों पर चुनाव लड़ने और केवल एक सीट पर विजय पाने के बाद मौजूदा लोकसभा चुनावों में चार सीटों पर कब्जा कर सत्तारूढ़ टीआरएस को उसके गढ़ में चुनौती देने का यह शानदार सफर कैसा रहा? भाजपा की इस शानदार जीत पर आप क्या कहना चाहते हैं?

आपकी शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इस अवसर पर मैं सिकंदराबाद के उन सभी लोगों को भी धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे अपने सांसद के तौर पर चुना है। मेरी इस जीत में पार्टी के बुजुर्गों और निस्वार्थ भाव से काम करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही है, जिनके प्रयासों से यह जीत संभव हुई है।

हां, आपने ठीक कहा पिछले साल दिसंबर में हुए विधानसभा चुनावों में केवल एक सीट जीतने से लेकर लोकसभा की चार सीटों पर विजय पताका लहराने का यह सफर शानदार रहा। सत्ताधारी टीआरएस के गढ़ों को रौंदते हुए हमनें केवल चार महीने में यह सफलता हासिल की है। यह वास्तव में भाजपा का शानदार प्रदर्शन है। ऐसे ही, मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी के.कविता के खिलाफ निज़ामाबाद से पहली बार चुनाव लड़ रहे श्री डी. अरविंद की जीत कई मायने में खास हो जाती है, जो इस विशाल जीत का एक सुनहरा अध्याय है। इसके अलावा, हमने तेलंगाना में दो सीटों आदिलाबाद और करीमनगर पर भी शानदार जीत हासिल की है।

जहां तक इस उपलब्धि के पीछे के मुख्य कारणों का सवाल है, मेरा मानना है कि इस जीत को हासिल करने में हर किसी ने कड़ी मेहनत की है, लेकिन इस बेहतरीन प्रदर्शन के पीछे खुद प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी हैं, जिनकी सरकार ने केंद्र में पिछले पांच वर्षों में कई उल्लेखनीय काम किए है। इसलिए 2019 की चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत से ही मतदाताओं ने मोदीजी को वोट देने और केंद्र में भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया था।

भाजपा ने तेलंगाना में किन प्रमुख मुद्दों पर चुनाव लड़ा?

यह पूरा लोकसभा चुनाव मुख्य रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार की विकास और कल्याणकारी योजनाओं के ईद—गिर्द घूमता रहा। श्री नरेन्द्र मोदी का त्रुटिहीन शासन, भ्रष्टाचार मुक्त सरकार, राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, काम के प्रति उनका समर्पण, 'न्यू इंडिया' के लिए उनकी दूरदृष्टि और उनके सुशासन ने हर भारतीय का दिल जीत लिया।

इसके अलावा, विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा, सुशासन, भ्रष्टाचार मुक्त सरकार, देश को राष्ट्र विरोधी मानसिकता वाले दलों के चंगुल से सुरक्षित रखना आदि इस चुनाव के कुछ अन्य प्रमुख मुद्दे हैं।

मोदी सरकार की लोकप्रिय योजनाएं जैसे देश के अंतिम गांव तक बिजली पहुंचाना, उज्ज्वला योजना के तहत बीपीएल परिवारों को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना, स्वच्छता मिशन, जन धन योजना के तहत सीधे पैसा ट्रांसफर के लिए बैंक खाते, आयुष्मान भारत के तहत गरीबों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करना, 2022 तक सभी के लिए आवास उपलब्ध कराना, देश के हर कोने को सड़क नेटवर्क से जोड़ना, रक्षा क्षेत्र को मजबूत करना, एक मजबूत अर्थव्यवस्था, जिसने नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ लिविंग' को सक्षम बनाया है और भारत को विश्व समुदाय में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित करना इस पूरे चुनाव की कुछ प्रमुख बातें रही।

हमने इन सकारात्मक बिंदुओं पर चुनाव लड़ा और लोकसभा चुनाव के दौरान इन सभी मुद्दों का बोलबाला रहा और हमें समाज के सभी वर्गों से अपेक्षित सहयोग मिला।

मोदी सरकार की लोकप्रिय योजनाएं जैसे देश के अंतिम गांव तक बिजली पहुंचाना, उज्ज्वला योजना के तहत बीपीएल परिवारों को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना, स्वच्छता मिशन, जन धन योजना के तहत सीधे पैसा ट्रांसफर के लिए बैंक खाते, आयुष्मान भारत के तहत गरीबों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करना, 2022 तक सभी के लिए आवास उपलब्ध कराना, देश के हर कोने को सड़क नेटवर्क से जोड़ना, रक्षा क्षेत्र को मजबूत करना, एक मजबूत अर्थव्यवस्था, जिसने नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ लिविंग' को सक्षम बनाया है और भारत को विश्व समुदाय में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित करना इस पूरे चुनाव की कुछ प्रमुख बातें रही।

तेलंगाना में विस्तार के लिए भाजपा की भविष्य की रणनीति क्या होगी?

हमारा मुख्य लक्ष्य तेलंगाना में मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के परिवारवाद और तानाशाही शासन को समाप्त करना है और राज्य में 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता में लाना होगा। यहां तक कि यह जनादेश भी सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ ही है और इससे सबक लेकर टीआरएस को जनता के लिए काम करना चाहिए। जैसाकि इन चुनावों के दौरान सीएम देशभर का दौरा कर अपने मोर्चे के लिए समर्थन मांग रहे थे और उन्हें यह भी पता नहीं चला कि उनके ही पैरों तले जमीन खिसक रही है।

विकास के मोर्चे पर के.चंद्रशेखर राव की अगुवाई वाली टीआरएस सरकार जानबूझकर केंद्र की मोदी सरकार द्वारा तेलंगाना के लोगों के कल्याण के लिए शुरू की गई योजनाओं को लागू नहीं कर रही है। इसलिए भाजपा के प्रतिनिधि प्राथमिकता के आधार पर राज्य के प्रत्येक गांव में इन कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने की पूरी कोशिश करेंगे और राज्य सरकार को तत्काल प्रभाव से तेलंगाना की प्रगति के लिए केंद्र सरकार की सभी प्रमुख विकास परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए बाध्य करेंगे।

सिकंदराबाद की जनता के लिए आपका क्या संदेश होगा?

मेरी यह जीत जनता और हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदीजी की जीत है। मुझे संसद सदस्य के रूप में चुना गया है, तो यह केवल मेरे क्षेत्र की जनता के प्रयासों से संभव हो सका है। इसलिए मैं इस जीत को अपने सभी मतदाताओं और सिकंदराबाद के लोगों को समर्पित करता हूं और उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि मैं अपनी पूरी क्षमताओं के साथ क्षेत्र की जनता के लिए काम करूंगा। मैं उनका निरंतर समर्थन और आशीर्वाद चाहता हूं। ■

झारखंड की जनता ने विकास और राष्ट्रवाद को स्वीकारा: सुनील सिंह

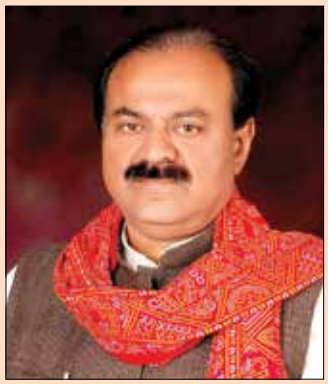

झारखंड भाजपा के महामंत्री और चतरा से लोकसभा में दूसरी बार निर्वाचित सांसद श्री सुनील सिंह ने कमल संदेश के एसोसिएट एडिटर विकास आनन्द से झारखंड में भाजपा के चुनावी रणनीति और प्रदर्शन पर संक्षिप्त चर्चा की। प्रस्तुत है प्रमुख अंश:

झारखंड के कुल 14 लोकसभा सीटों में भाजपा गठबंधन 12 सीटें जीती। इसे आप कैसे देखते हैं?

पूरे राज्य में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्ववाली गठबंधन के पक्ष में सकारात्मक वातावरण बना हुआ था। हमारे प्रधानमंत्री जी द्वारा किए गए कार्य पर जनता ने सकारात्मक मतदान करते हुए एक निर्णायक मत दिया। हम जो राष्ट्रवाद और विकास का एजेंडा लेकर चले थे, उसको झारखंड की जनता ने स्वीकार किया तथा उसी के अनुरूप मत देकर यह संदेश दिया विकास और राष्ट्रवाद दोनों हमें चाहिए। यही देश को आगे बढ़ा सकता है और राज्य को भी आगे बढ़ा सकता है। सच में यह सार्थक मतदान भारतीय जनता पार्टी और मोदी जी के पक्ष में हुआ है। उसी का यह सुखद परिणाम है।

झारखंड में चुनाव अभियान के दौरान प्रदेश भाजपा ने कौन से वे कार्यक्रम अपनाए जो अपने आप में विशिष्ट थे एवं उनका चुनाव पर क्या प्रभाव पड़ा?

देखिए, चुनाव के दृष्टि से वहां हम बहुत पहले से काम पर लगे हुए थे। जहां माननीय प्रधानमंत्री जी की सभाओं ने निर्णायक लहर उत्पन्न किया, समर्थन उत्पन्न किया, वहीं जो हम लोगों का बूथ स्तर तक का कार्य था, हमारे कार्यकर्ता, शक्ति केन्द्र और उसके नीचे बूथ और सब लोगों तक जाने में सक्षम हुए, काफी कारगर साबित हुआ। बूथ शक्ति केन्द्र की संरचना की वजह से हमारे कार्यकर्ता सरकार का कार्य और अपने नेता का संदेश जनता तक पहुंचाने में सक्षम हुए। उसका सकारात्मक नतीजा आया।

झारखंड की जनता ने पूरी तरह से आतंकवाद के साथ–साथ उग्रवाद जिससे झारखंड ग्रसित था, उसके विरुद्ध अपना मत दिया है। इसके अलावा जो वहां क्षेत्रवाद की राजनीति होती है, उसको वहां की जनता ने नकार कर भारतीय जनता पार्टी की जो राष्ट्र की परिकल्पना है, हम जिस सांस्कृतिक एकात्मता, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करते हैं उसके प्रति अभिव्यक्ति उन्होंने व्यक्त की है।

इस चुनाव में झारखंड की जनता ने क्या संदेश दिया है?

झारखंड की जनता ने पूरी तरह से आतंकवाद के साथ–साथ उग्रवाद जिससे झारखंड ग्रसित था, उसके विरुद्ध अपना मत दिया है। इसके अलावा जो वहां क्षेत्रवाद की राजनीति होती है, उसको वहां की जनता ने नकार कर भारतीय जनता पार्टी की जो राष्ट्र की परिकल्पना है, हम जिस सांस्कृतिक एकात्मता, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करते हैं, उसके प्रति अभिव्यक्ति उन्होंने व्यक्त की है। तो हमें इस रूप में चुनाव को देखना चाहिए और अलग से एक बात और कहूंगा, यह चुनाव अन्य चुनावों से भिन्न था। क्योंकि यह चुनाव आजादी के बाद का पहला चुनाव था जिसमें माननीय मोदी जी के किए हुए कार्य जनता तक पहुंचा था। जो हम कहते रहे हैं, हमारा जो सिद्धांत रहा है, विकास के फल को कतार में खड़े अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाना उसी के अनुरूप सरकार के कार्यों का प्रभाव अंतिम कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक दिखा। हम इस तरह से उस अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और उनका समर्थन पाया। ■

विधानसभा चुनाव परिणाम 2019

अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश में हालिया संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू के नेतृत्व में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने भारी जीत दर्ज की। भाजपा ने राज्य की 60 सीटों में से 41 सीट पर जीत दर्ज की। जद (यू) को 7 सीटें, एनपीपी को 5 सीटें और कांग्रेस का मात्र 4 सीटें ही प्राप्त हो सकीं।

ओडिशा

ओडिशा में हुए हालिया विधानसभा चुनावों में श्री नवीन पटनायक के नेतृत्व में सत्ताधारी बीजू जनता दल ने एक बार फिर जीत दर्ज की। श्री नवीन पटनायक पांचवीं बार मुख्यमंत्री होंगे। राज्य की कुल 147 विधानसभा सीटों में से श्री नवीन पटनायक की पार्टी ने 112 सीट पर जीत दर्ज की। भाजपा 23 सीटें जीत कर प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभरी, वहीं कांग्रेस सिर्फ 9 सीटें ही जीत सकी।

गौरतलब है कि ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने ओडिशा राज्य में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज की।

आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में श्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व में वाईएसआर कांग्रेस ने भारी जीत दर्ज की। वहीं, श्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में सत्तारुढ़ तेलुगू देशम पार्टी को भारी पराजय का सामना करना पड़ा। राज्य की 175 सीटों में से वाईएसआर कांग्रेस को 150 सीटें प्राप्त हुईं, जो 2014 की तुलना में 83 सीटें ज्यादा हैं। वहीं, टीडीपी को सिर्फ 24 सीटें ही प्राप्त हो सकीं। गौरतलब है कि आंध प्रदेश के बंटवारे के बाद इस राज्य में टीडीपी ने प्रथम सरकार बनाई थी और 2014 में इसे 102 सीटें प्राप्त हुईं थीं।

सिक्किम

सिक्किम में हुए हालिया विधानसभा चुनाव में श्री प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने श्री पवन कुमार चामलिंग के नेतृत्ववाली सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को हराकर इसके 25 साल के लंबे शासनकाल को समाप्त कर दिया। राज्य की कुल 32 सीटों में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने 17 सीटें जीतीं, वहीं सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को 15 सीटें मिली। गौरतलब है कि सिक्किम में शुरू से ही क्षेत्रीय दलों का बोलबाला रहा है।

प्रधानमंत्री ने दी बधाई

अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में हुए हालिया विधानसभा चुनावों के परिणाम आने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री नवीन पटनायक और श्री जगन मोहन रेड्डी बधाई दी। श्री नवीन पटनायक को बधाई देते हुए श्री मोदी ने लिखा, 'ओडिशा में फिर से जीत के लिए बधाई। उनके अगले कार्यकाल के लिए बधाई।'

आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अच्छे प्रदर्शन के लिए श्री जगन मोहन रेड्डी को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिखा, 'जगन मोहन रेड्डी को आंध्र प्रदेश में यादगार जीत के लिए बधाई। आपको सफल कार्यकाल के लिए अग्रिम शुभकामनाएं।'

देश ने फकीर की झोली भर दी, अपने लिए कुछ नहीं करूंगा: नरेन्द्र मोदी

2019 के लोकसभा चुनाव में हम सब नए भारत का जनादेश लेने देशवासियों के पास गए थे। हम देख रहे हैं कि देश के कोटि-कोटि नागरिकों ने इस फकीर की झोली भर दी है। मैं भारत के 130 करोड़ नागरिकों का सिर झुकाकर नमन करता हूं। 2019 का मतदान का आंकड़ा विश्व में लोकतांत्रिक इतिहास की सबसे बड़ी घटना है। देश आजाद होने के बाद सबसे अधिक मतदान इस चुनाव में हुआ है, वह भी 40-42 डिग्री गर्मी के बीच। भारत के मतदाताओं की जागरूकता, लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक शक्ति को पूरे विश्व को पहचानना होगा। लोकतंत्र के उत्सव में लोकतंत्र की खातिर बलिदान देने, घायल होने वाले लोगों और उनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। लोकतंत्र के लिए मरने की मिसाल आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। लोकतंत्र के उत्सव की व्यवस्था संभालने के लिए चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों और अन्य सभी लोगों को मैं बधाई देता हूं।

महाभारत का युद्ध खत्म होने पर श्रीकृष्ण से पूछा गया था कि आप किसके पक्ष में थे। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने जो जवाब दिया था, वही जवाब आज हिंदुस्तान के 130 करोड़ नागरिकों ने दिया है। श्रीकृष्ण ने कहा था- "मैं किसी के पक्ष में नहीं था। मैं तो सिर्फ हस्तिनापुर के लिए हस्तिनापुर के पक्ष में खड़ा था।" 130 करोड़ नागरिक श्रीकृष्ण के रूप में भारत के लिए खड़े थे। इस चुनाव में मैं पहले दिन से कह रहा था कि यह चुनाव कोई दल, नेता या उम्मीदवार नहीं लड़ रहा। यह चुनाव देश की जनता लड़ रही है। जिनके आंख-कान बंद थे, उनके लिए मेरी बात समझना मुश्किल था, लेकिन वह भावना जनता जनार्दन ने प्रकट कर दी है। आज हिंदुस्तान और लोकतंत्र जीता है। लोकसभा में जीतकर आए सभी दलों के नेताओं को बहुत-बहुत बधाई। चार राज्यों में जीते प्रतिनिधियों का भी अभिनंदन। भाजपा भारत के संविधान और फेडरलिज्म को समर्पित है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि केंद्र सरकार राज्यों की विकास यात्रा में कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी। भाजपा की एक विशेषता है। हम कभी दो भी हो गए तो भी अपने मार्ग से विचलित नहीं हुए। आदर्शों को ओझल नहीं होने दिया। न रुके, न थके, न झुके। दोबारा आए हैं तो भी अपनी नम्रता, विवेक, आदर्श और संस्कार नहीं छोड़ेंगे। यह जीत मोदी की नहीं, बल्कि ईमानदारी के लिए तड़पते नागरिक की आशाओं और आकांक्षाओं की है। 21वीं सदी के सपने लेकर चले नौजवान की है। उन मध्यमवर्गीय परिवारों की है, जिन्हें अहसास है कि उनका

टैक्स सही जगह काम आ रहा है। यह संतोष इन नतीजों में साफ नजर आ रहा है। ईमानदारी को इन नतीजों ने नई स्वीकृति दी है। हमारे देश में एक ऐसे प्रिंटआउट, टैग का फैशन था कि कुछ भी करो, उसे लगा लो आपको गंगा स्नान जैसा पुण्य मिल जाता था। उस नकली टैग का नाम था सेकुलरिज्म। इस चुनाव में एक भी राजनीतिक दल सेकुलरिज्म का नकाब पहनकर देश को गुमराह करने की हिम्मत नहीं कर पाया। देश में हर चुनाव के केंद्र में महंगाई और भ्रष्टाचार रहते थे, लेकिन विरोधी दल पिछले पांच साल के शासन के खिलाफ ऐसा कोई मुद्दा नहीं उठा पाए। लोकतंत्र में कॉन्स्टेंट रही यह तीनों चीजें इस चुनाव में नहीं थीं। इसलिए पॉलिटिकल पंडित समझ नहीं पा रहे थे कि किस तराजू से चीजों को तौलें। इस चुनाव ने 21वीं सदी में हमारे सामाजिक राजनीतिक जीवन की एक मजबूत नींव रखी है। जनता ने एक नया नैरेटिव रखा है। अब इस देश में सिर्फ दो जाति बचेंगी। जाति के नाम पर खेलने वालों पर यह बहुत बड़ा प्रहार है। दो जाति कौन सी हैं? एक है गरीब। दूसरी है देश को गरीबी से मुक्त करवाने के लिए योगदान देने वालों की। 21वीं सदी में इन दोनों को सशक्त करना है। गरीबी से बाहर लाने में जो बढ़-चढ़कर मदद कर रहा है, उसे भी ताकतवर बनाना है। अगले पांच साल के लिए इतना प्रचंड जनमत, बहुत बड़ी और दुनिया को अचंभित करने वाली घटना है। यही समय है, जब देश महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाएगा। देश 2022 में आजादी के 75 साल मनाएगा। 2019 से 2024 का यह कालखंड आजादी के सिपाहियों को याद करने का है। 1942 से 1947 के बीच तो जनसंख्या भी इतनी नहीं थी, फिर भी बड़ी-बड़ी सल्तनत को परास्त कर दिया था। आज हम 130 करोड़ हैं। हम संकल्प कर लें कि देश को सभी मुसीबतों से मुक्त करना है, समृद्ध राष्ट्र की ओर ले जाना है।

लोकतंत्र के संस्कार हमें जिम्मेदारी देते हैं कि सरकार भले बहुमत से बनती हो, लेकिन देश सर्वमत से चलता है। मैं आज सार्वजनिक रूप से कहता हूं... चुनाव में क्या हुआ.. कैसे हुआ... कौन बोला...क्या बोला... मेरे लिए वो बात बीत चुकी है। हमें आगे देखना है। सबको साथ लेकर चलना है। घोर विरोधियों को भी साथ लेकर चलना है। प्रचंड बहुमत के बाद भी नम्रता से चलना है। संविधान ही हमारा सुप्रीम है। संविधान के हर शब्द के भाव को पकड़ते हुए हमें चलना है। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि आज आपने इस फकीर की झोली भर दी है। इसके पीछे बड़ी आशा और अपेक्षा है। मैं इसकी गंभीरता को भली-भांति समझता हूं। आप 2014 में मुझे ज्यादा नहीं जानते थे, लेकिन भरोसा किया। 2019 में आपने मुझे ज्यादा जानने के बाद और ज्यादा ताकत डाल दी। मैं इसके पीछे की भावना समझता हूं। आपने मुझे जो दायित्व दिया है, जो काम दिया है उसे पूरा करूंगा। आने वाले दिनों में बदइरादे से बदनीयत से कोई भी काम नहीं करूंगा। काम करते-करते गलती हो सकती है, लेकिन बदइरादे और बदनीयत से कोई काम नहीं करूंगा। दूसरा, मैं मेरे लिए कुछ नहीं करूंगा। तीसरी बात- मेरे समय का पल-पल, मेरे शरीर का कण-कण सिर्फ और सिर्फ देशवासियों के लिए है। मेरे देशवासी आप जब भी मेरा मूल्यांकन करें, इन तीन तराजू पर जरूर मुझे कसते रहना। कभी कोई कमी रह जाए तो मुझे कोसते रहना। लेकिन मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि मैं सार्वजनिक रूप से जो बातें बताता हूं उसे जीने के लिए भरपूर प्रयास करता हूं। धन्यवाद। ■

हमारे महान देश का भविष्य उज्जवल हो: लालकृष्ण आडवाणी

लोकसभा चुनाव 2019 में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पर पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह को बधाई दी। श्री आडवाणी ने कहा कि भारत जैसे बड़े देश में सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न होना खुशी का अनुभव कराता है।

श्री आडवाणी ने कहा, 'भाजपा को इस चुनाव में अभूतपूर्व सफलता दिलाने के लिए नरेंद्र भाई को दिल से बधाई। अमित भाई शाह ने भाजपा अध्यक्ष के तौर पर और पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं ने भाजपा के संदेश को हर मतदाता तक पहुंचाने के लिए बहुत मेहनत की है।'

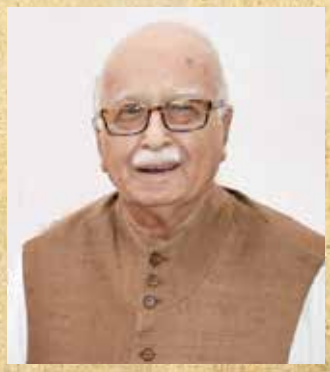

सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराए जाने पर श्री आडवाणी ने कहा, 'यह बड़ी खुशी की बात है कि भारत जैसे बड़े और विभिन्नता पूर्ण देश में चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इसके लिए मैं सभी मतदाताओं और एजेंसियों को बधाई देता हूं। आशा करता हूं कि हमारे महान देश का भविष्य उज्जवल हो।' ■

@RajnathSingh

आम चुनाव में यह ऐतिहासिक विजय मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व, अमित शाह जी की कर्मठता और जमीन पर कार्य करने वाले करोड़ों कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम का परिणाम है। मैं देश के लोगों को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने एक बार फिर राजग के पक्ष में निर्णायक जनादेश दिया और श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व व नए भारत के उनके विजन में विश्वास व्यक्त किया है। श्री मोदी अब नए भारत के निर्माण के लिए संकल्पित हैं।

@nitin_gadkari

यह भारत की विजय है। भाजपा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के सफल नेतृत्व में इतिहास रचा है। देश के लोगों और सभी कार्यकर्ताओं को बधाइयां। @बीजेपीफॉरइंडिया # विजयी भारत।

@arunjaitley

लोकसभा चुनाव 2019 में विस्मयकारी विजय प्राप्त के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, सभी राजग व भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं।

@SushmaSwaraj

भारतीय जनता पार्टी को ऐसी महान विजय दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी आपको बहुत धन्यवाद देती हूं। मैं देशवासियों को हार्दिक बधाई देती हूं।

विश्व के अनेक नेताओं ने प्रधानमंत्री को दी बधाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को आम चुनाव 2019 में जीत हासिल करने पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना, भूटान के प्रधानमंत्री डॉ. लोटे शेरिंग, नेपाल के प्रधानमंत्री श्री के. पी. शर्मा ओली, मालदीव के राष्ट्रपति श्री इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, श्रीलंका के प्रधानमंत्री श्री रानिल विक्रमसिंघे, रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन, फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रॉन, जापान के प्रधानमंत्री श्री शिंजो आबे, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री स्कॉट मॉरिसन, यूएई के शहजादे श्री मोहम्मद बिन जायद, अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग, जर्मनी की चांसलर श्रीमती अंजेला मर्केल, ब्रिटेन की प्रधानमंत्री श्रीमती थिरेसा मे, इजरायल के प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी सहित दुनिया भर के नेताओं ने बधाई दी।

विश्व के नेताओं के स्नेह और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आम चुनाव भारतीय लोकतंत्र की ताकत को दर्शाते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। उन्होंने पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय संबंधों और बहुपक्षीय सहयोग को विकसित करने में उनके सहयोग के लिए विश्व के नेताओं को धन्यवाद दिया।

उन्होंने मजबूत संबंधों को और बेहतर बनाने के लिए आगे भी मिलजुल कर काम करने की अपनी इच्छा जाहिर की। प्रधानमंत्री ने ऐसे कई अन्य नेताओं के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी।

बांग्लादेश

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार को भारत की जनता द्वारा दिये गये जनादेश के लिए बधाई दी। श्रीमती हसीना प्रधानमंत्री श्री मोदी को चुनाव में विजय हासिल करने पर बधाई देने वाली पहली विदेशी नेता थीं। यह भारत और बांग्लादेश के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को दर्शाता है। यह दोनों नेताओं के बीच बेहतरीन सद्भाव को भी दर्शाता है।

दोनों नेताओं ने भारत-बांग्लाबदेश संबंधों को अप्रत्याशित रूप से नई ऊंचाई पर ले जाने का भी संकल्प लिया। उन्होंने सुरक्षा, व्यापार, परिवहन, ऊर्जा और जन संबंधों में भागीदारी को मजबूत बनाने के लिए चल रही योजनाओं को तेजी से पूरा करने के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने का काम शुरू करने के लिए जल्द से जल्द बैठक करने के लिए तारीख निर्धारित करने के बारे में सहमति व्यक्त की।

भूटान

भूटान के प्रधानमंत्री महामहिम ल्योंचेन डॉ. लोटे शेरिंग ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भारत में आम चुनावों में मिली जीत के लिए फोन पर बधाई दी। प्रधानमंत्री डॉ. लोटे शेरिंग ने भारत में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रदान किए गए मजबूत नेतृत्व की सराहना की और आशा व्यक्त कि भारत उनकी दृष्टि और नेतृत्व में अपार सफलता हासिल करेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बधाई के लिए प्रधानमंत्री डॉ. लोटे शेरिंग का आभार प्रकट किया। उन्होंने भूटान के साथ विशेष और आदर्श द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए प्रधानमंत्री डॉ. लोटे शेरिंग और भूटान की शाही सरकार के साथ काम करना जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

नेपाल

नेपाल के प्रधानमंत्री श्री के पी शर्मा ओली ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को फोन किया और लोकसभा चुनाव में जीत पर बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बधाई के लिए प्रधानमंत्री श्री ओली को धन्यवाद दिया और भारत-नेपाल मित्रता को मजबूत बनाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए दोनों देशों के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण सम्बंधों को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

पाकिस्तान

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री श्री इमरान खान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भारत में आम चुनावों में मिली जीत के लिए फोन पर बधाई दी। श्री मोदी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को उनके टेलीफोन कॉल एवं बधाई के लिए धन्यवाद दिया।

उनकी सरकार की पड़ोसी प्रथम नीति की तर्ज पर उनकी पहलों का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के संयुक्त रूप से गरीबी से लड़ने के उनके पहले दिए गए सुझावों का उल्लेख किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारे क्षेत्र में शान्ति, प्रगति एवं समृद्धि के लिए सहयोग बढ़ाने हेतु विश्वास एवं हिंसा तथा आतंकवाद से मुक्त वातावरण का निर्माण करना अनिवार्य है।

जापान

जापान के प्रधानमंत्री श्री शिंजो आबे ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को आम चुनाव 2019 में उनकी पार्टी की जबरदस्त जीत के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्री आबे को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने पिछले पांच वर्षों के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण को अर्जित करने के लिए भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक भागीदारी को ओर अधिक मजबूत बनाने के बारे में अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले माह ओसाका में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान अपनी बैठक में मिलने की इच्छा व्यक्त की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस वर्ष के अंत में आयोजित होने वाले अगले भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए श्री आबे को भारत की यात्रा करने का निमंत्रण भी दिया।

फ्रांस

फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमैनुअल मैक्रोन ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके चुनाव में विजय पर उन्हें बधाई दी। दोनों नेताओं ने भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए एक साथ काम करने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने महत्वपूर्ण विषयों पर भारत को समर्थन देने के लिए फ्रांस को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रपति मैक्रोन ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को लोकतांत्रिक विश्व का एक अग्रणी नेता बताते हुए अगस्त 2019 में द्विपक्षीय बैठक और बियारिट्ज में जी-7 शिखर बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस यात्रा के आमंत्रण को दोहराया।

चीन

चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजकर उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की चुनावी विजय पर उन्हें बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि वह भारत-चीन संबंधों के विकास को काफी महत्व देते हैं और दोनों देशों के बीच घनिष्ठ विकास साझेदारी को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ कार्य करने के इच्छुक हैं। राष्ट्रपति ने हाल के वर्षों में दोनों देशों के संयुक्त प्रयास से भारत-चीन संबंधों के विकास को मजबूत गति देने पर संतोष व्यक्त किया।

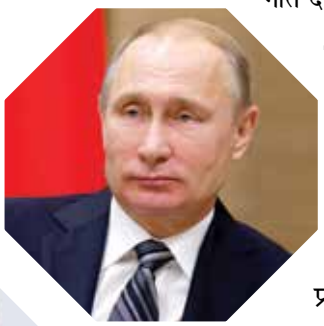

रूस

रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर लोकसभा चुनाव में उन्हें मिली जीत पर बधाई दी। राष्ट्रपति श्री पुतिन ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी दोनों देशों की जनता के बीच बरसों पुरानी दोस्ती को और मजबूत बनाएंगे तथा दोनों देशों को जोड़ने वाली विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त सामरिक साझेदारी को और भी व्यापक बनाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शुभकामनाओं और बधाई के लिए राष्ट्रपति श्री पुतिन का आभार प्रकट किया। उन्होंने पिछले कुछ महीनों से दोनों पक्षों के बीच बढ़ते सहयोग साथ ही साथ राष्ट्रपति पुतिन के साथ अपने निजी संबंधों को स्वीकार किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और रूस के बीच समय की कसौटी पर खरी उतरी और पुरानी द्विपक्षीय साझेदारी को और ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति श्री पुतिन के साथ आगामी बातचीत का वे बेताबी से इंतजार कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री स्कॉट मॉरिसन ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत कर उन्हें 17वीं लोकसभा के आम चुनाव

में जीत हासिल करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने संबंधों को और मजबूत बनाने को बहुत महत्व देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही सशक्त और जीवंत लोकतंत्र हैं और हमारे बढ़ते आर्थिक संबंधों, उच्च स्तरीय सम्पर्कों तथा जनता के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों के कारण हमारे रिश्तों में उत्पन्न गति भविष्य में भी जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री ने भी ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में संपन्न चुनावों में लिबरल-नेशनल कोलिशन पार्टी को जीत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मॉरिसन को बधाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मॉरिसन को भारत की यात्रा पर आने का अपना निमंत्रण दोहराया।

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को आम चुनाव में ''ऐतिहासिक'' जीत के लिए बधाई दी। फोन पर हुई इस बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के संबंधों को लगातार मजबूती प्रदान करने के लिए मिलकर काम करने पर भी सहमति जतायी।

श्री मोदी और श्री ट्रंप ने फोन पर हुई बातचीत में जी-20 शिखर सम्मेलन में एक दूसरे से मुलाकात करने पर भी सहमति जतायी। जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन 28-29 जून को जापान के ओसाका में होने जा रहा है।

व्हाइट हाउस के अनुसार, ''राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में अमेरिका भारत के बीच पिछले दो सालों में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर बनी रणनीतिक भागीदारी को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जतायी।''

सऊदी अरब

सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत कर उन्हें 17वीं लोकसभा के आम चुनाव में जीत हासिल करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने युवराज को उनकी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और भारत के लोगों के साथ उनकी बहुमूल्य मित्रता की सराहना की तथा दोनों देशों के बीच घनिष्ट संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने में उनकी व्यक्तिगत दिलचस्पी का उल्लेख किया।

कतर

कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को आम चुनाव में जीत के लिए बधाई दी और भारत तथा कतर के बीच गहरे होते संबंधों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने अमीर को धन्यवाद दिया तथा दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी के निर्माण में उनके दिशानिर्देश के लिए प्रशंसा की।

जर्मनी

जर्मनी की चांसलर श्रीमती अंजेला मर्केल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके चुनाव में विजय पर उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए चांसलर मर्केल ने दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों का उल्लेख किया और आपसी हितों के क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने की अपनी इच्छा जताई।

प्रधानमंत्री ने उन्हें धन्यवाद दिया तथा दोनों देशों के बीच एवं वैश्विक शान्ति तथा समृद्धि के लिए द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक बढ़ाने में उनके द्वारा निभाई जा रही असाधारण भूमिका का उल्लेख किया। दोनों नेताओं ने जापान के ओसाका में आगामी जी-20 सम्मेलन में तथा इस वर्ष बाद में भारत में दोनों देशों के बीच अंतः सरकारी स्तर पर सलाह मशविरों में परस्पर मुलाकात की इच्छा जताई।

ब्रिटेन

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री श्रीमती थिरेसा मे ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके चुनाव में विजय पर उन्हें बधाई दी। आम चुनावों को लोकतंत्र के लिए एक प्रमुख शोकेस के रूप में उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मे ने भारत के नागरिकों को इस महत्वपूर्ण आयोजन के समापन पर बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उन्हें धन्यवाद दिया और सभी क्षेत्रों में ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक बढ़ाने के लिए कार्य करते रहने की अपनी इच्छा जताई। ■

'संविधान' को प्रणाम

प्रभात झा

आज भारत का प्रत्येक गरीब, वह जो रोज कमाता है और परिवार चलाता है, को सबसे ज्यादा ख़ुशी हो रही होगी। उसे लग रहा होगा कि आज प्रधानमंत्री शपथ नहीं ले रहे है, बल्कि भारत की धरती से गरीबी के कलंक को हटाने और मिटाने में लगा व्यक्तित्व शपथ ले रहा है। खुश वे भी होंगे, जो भारत के भविष्य की तक़दीर है। उन नौनिहालों के चेहरे खिल रहे होंगे, जिन्होंने अपने पहले वोट की सार्थकता देखी। वे लोग सबसे अधिक आनंदित हो रहे होंगे, जो अपने 'देश' यानी 'भारत' को अपने से बड़ा मानते होंगे।

आज भारत खुश है। भारत मुस्कुरा रहा है। भारत धरती से लेकर आसमान से फूलों की भावनाओं से भरा पुष्प वर्षा कर रहा है। जिस नेता में जनता अपनी छवि देखें, सच में जननेता वह होता है। भारत आज अपनी छवि को नरेन्द्र मोदी के चरित्र में देखता है तो उसे लगता है कि हमारे बीच का ही व्यक्ति शपथ ले रहा है।

यह भी सच है कि आज वह गरीब शपथ समारोह में सशरीर नहीं पहुंच पाएगा, पर वह अपने घर की टीवी पर, या अपने मोबाइल की स्क्रीन पर अपनी छवि 'नरेन्द्र मोदी' की शपथ अवश्य देखेगा।

आज भारत अपने संवैधानिक रक्षक की शपथ पर रात को दीपावली मनाएगा। अनेक जगह दीपावली सा माहौल होगा ही। देश के किसान आज नरेन्द्र मोदी को अपना 'शस्य श्यामला' खेती की गारंटी मानकर झूम रहे होंगे। गांव के चौपाल भी मुस्कुरा रहे होंगे। किसानों को लग रहा है कि उनकी जिंदगी में मुस्कुराहट देने वाला शपथ ले रहा है।

हर मनुष्य अपनी जिंदगी में आशा की किरण देखना चाहता है। आज भारत के करोड़ों लोगों को लग रहा है कि भारत अच्छे दिनों की ओर बढ़ने लगा। सामान्य नागरिक आज लोकतंत्र के इस जश्न को अपने अपने स्थानों पर मनाएंगे। आज वे लोग बहुत खुश हैं, जो भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त करना चाहते हैं। सामान्य नागरिक चाहते हैं कि सरकारी कार्य में उसे आसानी हो। बेरोजगार चाहते हैं कि वे रोजगार देने वाले बनें। असंगठित कामगार मजदूरों के भविष्य की गारंटी ने उनके चेहरे की रौनक बढ़ा दी है। इनकी संख्या 48 करोड़ से ऊपर है।

सामान्य जन चाहता है कि वह जब तक जिंदा रहे, उसे सामान्य जीवन में कोई तकलीफ नहीं हो। मोदी सरकार ने इस दिशा में सबसे बड़ा कदम 'आयुष्मान' योजना' लागू कर गरीबों को यह विश्वास दिलाया है कि तुम्हारी मौत अब दवाई या इलाज के अभाव में नहीं हो सकती। गरीबों को मौत से बचाने की इस योजना से उपजी "दुआओं" ने इस चुनाव में भी अपना असर दिखाया। भौतिकतावादी इस युग में जब एक सहोदर

अपने सहोदर के लिए खड़ा नहीं होता, तब देश के प्रधानमंत्री की योजना खड़ी हो जाए, तो लोग मोदी जी के लिए दुआएं क्यों नहीं करेंगे। दुआ और दवाओं का यह संगम लेकर गरीब झूम रहे होंगे।

करोड़ों शौचालय के कारण इज्जत से जुड़ी महिलाओं की आशीष भी शपथ समारोह को देखकर स्वतः कहेगी कि यही है वह व्यक्ति जिसने महिलाओं की इज्जत को बढ़ाया है। मुद्रा योजना के तहत करोड़ों महिलायें और पुरुष अपने पैरों पर खड़े हो गए और आज उन्होंने पुनः अपने पैरों पर खड़े होकर मोदी को शपथ लेते देख कर यह कह रहे हैं, कि मोदी "तुम जियो हजारों साल।" जिनके घर रौशनी पहुंची उन्होंने भी कहा कि मोदी जी आप हमारे घर रौशनी लाये, हम आपके घर रोशनी लाएंगे। शपथ समारोह को देखते समय ये सभी इसी भाव से जुड़े होंगे कि ये है हमारे देश के प्रधानमंत्री। देश भर में ही नहीं विश्व भर में योगा करने वाले एक स्वर में कह रहे हैं, "युगपुरुष आचार्य नरेन्द्र मोदी बधाई के पात्र हैं।"

आज वे लोग खुश हो रहे हैं, जो ईमानदारी से "ईमान" की पूजा करते हैं, पिछले कुछ दशकों में ईमानदारी को पीछे धकेल दिया गया था। आज वे इस लिए खुश है कि भ्रष्टाचार की सिंचाई व्यवस्था निरंतर बंद हो रही है।

संविधान को गीता की ऋचाएं मानकर काम करने वाली मोदी सरकार से वे लोग ज्यादा खुश हैं जिन्हें देश से मतलब है न की देश की राजनीति से। वे संविधान की पवित्रता कायम रखने में विश्वास करते हैं न असंवैधानिक कार्यों में।

प्रधानमंत्री पद पर ही नहीं बल्कि संसदीय और विधायिका के निर्वाचित प्रतिनिधियों को संविधान के आंचल में अपना और देश-प्रदेश का विकास करने का अवसर मिलता है।

देश की संघीय प्रणाली की मर्यादा रखने वालों में भी आज बहुत ख़ुशी है। सबसे ज्यादा खुश है देश की आधी आबादी। उन्हें विश्वास हुआ है कि देश के विकास में उनकी भूमिका घर के साथ साथ देश में भी है। यही कारण है की आजादी के बाद भारतीय संसद में पहली बार 78 महिलायें सांसद के रूप में चुनकर आयी हैं। ''मातृ देवो भवः'' का जागरण ही नरेन्द्र मोदी की झोली को अपनी आशीषों से भर देता है।

सामान्य जन चाहता है कि वह जब तक ज़िंदा रहे, उसे सामान्य जीवन में कोई तकलीफ नहीं हो। मोदी सरकार ने इस दिशा में सबसे बड़ा कदम 'आयुष्मान' योजना' लागू कर गरीबों को यह विश्वास दिलाया है कि तुम्हारी मौत अब दवाई या इलाज के अभाव में नहीं हो सकती। गरीबों को मौत से बचाने की इस योजना से उपजी "दुआओं" ने इस चुनाव में भी अपना असर दिखाया। भौतिकतावादी इस युग में जब एक सहोदर अपने सहोदर के लिए खड़ा नहीं होता, तब देश के प्रधानमंत्री की योजना खड़ी हो जाए, तो लोग मोदी जी के लिए दुआएं क्यों नहीं करेंगे। दुआ और दवाओं का यह संगम लेकर गरीब झूम रहे होंगे।

आज वे बहुत खुश हो रहे हैं, जो साहस, परिश्रम, और पराक्रम को नमन करते हैं। नरेन्द्र मोदी नाम है परिश्रम और पराक्रम का। आज वे बहुत खुश हो रहे हैं जो "सत्यमेव जयते" और "अहिंसा परमो धर्म" में विश्वास रखते है। राजनीति में स्वच्छता अभियान का उतना ही महत्व है, जितना देश में स्वच्छता अभियान का । अतः जो राजनीति में प्रशासन में, देश कार्य में स्वच्छता चाहते है, आज उनके मन में जरूर लड्डू फूट रहे होंगे कि अब न्याय के रास्ते पर भारत का संविधान चलेगा। विश्वास की गंगोत्री से छल-छल करती हुई गांव-गांव में जन विश्वास, मिले हुए जनादेश के माध्यम से पहुंचेगा। आज वे भी बहुत प्रसन्न होंगे, जिन्हें "सबका साथ, सबका विकास" के साथ सबका विश्वास, में विश्वास होगा। मेरे सब, मै सबका ।

आज सर्वाधिक खुश हो रहे होंगे, उस पीढ़ी के लोग जिन्होंने कार्यकर्ता के नाते अपने खून से जनसंघ के दिए जलाये। साथ ही आज की पीढ़ी के कार्यकर्ता और उससे भी अधिक खुश हो रहे होंगे कि उनकी मेहनत रंग लायी। कार्यकर्ताओं की अखंड मेहनत का परिणाम वे अपनी आंखों से देख रहे होंगे। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शपथ ले रहे होंगे। वो कार्यकर्ता जो सिर्फ सर नवाकर काम करता है, उसकी आंखों में प्रेम के आंसू सहज आ रहे होंगे और मन में एक ही बात कह रहा होगा कि एक कार्यकर्ता ही शपथ ले रहा है। बस ईश्वर इस कार्यकर्ता के मन में सदैव कार्यकर्ता के भाव बनाये रखे।

आज पुनः मजबूत होगी 'मै' नहीं 'हम' की अवधारणा। हममें जन है और जन-जन में मोदी हैं। अब भेदभाव के बजाय समभाव की प्रबलता पूर्व से भी अधिक बढ़ेगी। तिरंगे को विश्व में फ़हराने की दूसरी सीढ़ी पर आज नरेन्द्र मोदी चढ़कर शपथ लें। मैं और उनके साथ सभी 130 करोड़ भारतीय कहेंगे "भारतमाता की जय" और "वन्देमातरम"। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चैक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चैक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

लोकसभा चुनाव, 2019 में भाजपा की भारी जीत के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री लाल कृष्ण आडवाणी के आवास पर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

लोकसभा चुनाव, 2019 में भाजपा की भारी जीत के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मिठाई खिलाते भाजपा वरिष्ठ नेता श्री मुरली मनोहर जोशी, साथ में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-19